श्री कार्तिकेय करावलंब स्तोत्रं

श्री कार्तिकेय करावलंब स्तोत्रं

ओंकाररूप शरणाश्रय शर्वसूनो
सिंगार वेल सकलेश्वर दीनबंधो |
संतापनाशन सनातन शक्तिहस्त
श्रीकार्तिकेय मम देहि करावलंबं || 1 ||

पंचाद्रिवास सहजा सुरसैन्यनाथ
पंचामृतप्रिय गुह सकलाधिवास |
गंगेंदु मौळि तनय मयिल्वाहनस्थ
श्रीकार्तिकेय मम देहि करावलंबं || 2 ||

आपद्विनाशक कुमारक चारुमूर्ते
तापत्रयांतक दायापर तारकारे |
आर्ताऽभयप्रद गुणत्रय भव्यराशे
श्रीकार्तिकेय मम देहि करावलंबं || 3 ||

वल्लीपते सुकृतदायक पुण्यमूर्ते
स्वर्लोकनाथ परिसेवित शंभु सूनो |
त्रैलोक्यनायक षडानन भूतपाद
श्रीकार्तिकेय मम देहि करावलंबं || 4 ||

ज्ञानस्वरूप सकलात्मक वेदवेद्य
ज्ञानप्रियाऽखिलदुरंत महावनघ्ने |
दीनवनप्रिय निरमय दानसिंधो
श्रीकार्तिकेय मम देहि करावलंबं || 5 ||

इति श्री कार्तिकेय करावलंब स्तोत्रं |